प्रेस नोट –तीसरा दिन(27/02/2021)

पूसा कृषि विज्ञान मेला जिसका विषय "आत्म निर्भर किसान" है ने किसानों को नवीनतम प्रौद्योगिकियों और कृषि के क्षेत्र में विकास से सीधे साक्षात के लिए मंच प्रदान किया। पूसा कृषि विज्ञान मेले का तीसरा दिन 'नवोन्मेषी कृषक मिलन' पर तकनीकी सत्र के साथ आरंभ हुआ। नवोन्मेषी कृषक मिलन पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के अध्यक्ष और एक प्रसिद्ध पौध प्रजनकडॉ के.वी. प्रभु द्वारा की गई। सत्र की शुरुआत में भा.कृ.अनु.सं. के निदेशक डॉ ए.के.सिंह और भा.कृ.अनु.प. , नई दिल्ली के सहायक महानिदेहक (बीज) डॉ. डी.के. यादव ने जनसमूह को संबोधित किया और आई.ए.आर.आई.द्वारा विकसित किस्मों और तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। सत्र के दौरान नवोन्मेषी किसानों ने अपनी यात्रा साझा की और कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को प्रेरित किया। बिहार के एक नवोन्मेषी किसान और भा.कृ.अनु.प. के जग जीवन किसान पुरस्कार विजेता श्री जितेंद्र कुमार सिंह ने डायरेक्ट सीडिड राइस, आम और लीची की खेती , उनके उच्च घनत्व वाले रोपण , आलू और भिंडी की खेती जैसी अग्रिम वैज्ञानिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उनके फायदे के बारे में बात की। श्री सुखजीत सिंह भंगू ने ए- 1सीड कंपनी की स्थापना के बारे में अपने अनुभव साझा किए। श्री यश जे . पढियार गुजरात के युवा नवोन्मेषी किसान हैं और उन्होंने हल्दी , प्याज और अमरूद की जैविक खेती विकसित की है। इसी प्रकार से अन्य पुरस्कार विजेता किसानों ने संबंधित क्षेत्र के अपने अनुभव साझा किए यथा-अनीता कुमारी (मशरूम की खेती), श्री खेम चंद कश्यप जी (स्प्रिंकलरसिंचाई और बागवानी फसलों की खेती), श्री अनंत बहादुर जी (चना, अरहर और शकरकंद की विकसित किस्म) , श्री बापी शेख (एकीकृत खेती मॉडल , ट्राइकोडर्मा विरिडी का बड़े स्तर पर उत्पादन), सुश्री माया नेगी (एकीकृत खेती और पंजीकृत एफपीओ), श्री गंगा राम सेपट (राजस्थान में जैविक खेती) आदि। सत्र अध्यक्ष ने भा.कृ.अनु.सं. का फेलो एवं नवोन्मेषी पुरस्कार प्राप्त करने वाले किसानों को बधाई दी। उन्होंने कृषि क्षेत्र में योगदान के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि जब कृषि क्षेत्र की प्रगति होगी तभी भारत विकसित देश बन सकता है।

मुख्य अतिथि श्री कैलाश चौधरी , माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री , कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार , सम्मानित अतिथि श्री त्रिलोचन महापात्र , सचिव डेयर एवं महानिदेशक भा.कृ.अनु.प. एवं डॉ. डी.के. यादव , सहायक महानिदेशक (बीज) ने अपनी उपस्थिति द्वारा कृषि मेले के समापन समारोह को गरिमा प्रदान की। डॉ.ए.के. सिंह , निदेशक, भा.कृ.अनु.सं. ने मंच पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया तथाइस कार्यक्रम में अपना बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद दिया। श्री कैलाश चौधरी

जी ने भा.कृ.अनु.सं. अध्येता किसान तथा नवोन्मेषी किसान पुरस्कार पाने वाले किसानों को पुरस्कार प्रदान किए। तदुपरांत डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने अपने भाषण में कहा कि कृषि में वैज्ञानिक हस्तक्षेप द्वारा किसानों की आय में चार गुना बढ़ाने की संभावना है। इसी के साथ उन्होंने आशवस्त भी किया कि किसानों की आय दोगुना करने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिएभा.कृ.अनु.प. के वैज्ञानिक किसानों के साथ रात दिन काम करने के लिए तैयार हैं | उन्होने कृषि में क़िस्मों और तकनीकियों के बेहतर प्रसारण के लिए डिजिटल प्लैटफ़ार्म के प्रयोग पर बल दिया |श्री कैलाश चौधरी, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने सम्बोधन में कृषि अनुसंधान और किसान कल्याण के क्षेत्र में सरकार की प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला | उन्होने सभी पुरस्कार प्राप्त किसानों को कृषि नवाचारों के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए बधाई दी |उन्होने नई क़िस्मों और तकनीकी के विकास में संस्थान के प्रयासों कीभी सराहना की | उन्होने मौजूदा बजट में किसानों, खेती एवं समग्र कृषि क्षेत्र के कल्याण के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए उपायों की चर्चा की | उन्होने कहा की नये किसान विधेयक केवल किसानों के लाभ के लिये हैं |कार्यक्रम का समापन डा इंद्र मणी मिश्रा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ |